ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, मंगलवार 05 अगस्त 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 118

J&K को राज्य का दर्जा-SC में सुनवाई 8 अगस्त को:आज ही के दिन अनुच्छेद 370 हटाने के बाद सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश बनाया था

24 न्यूज अपडेट

जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की खबरों के बीच सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर 8 अगस्त को सुनवाई होगी। जम्मू-कश्मीर के प्रोफेसर जहूर अहमद भट्ट और सोशल वर्कर खुर्शीद अहमद मलिक ने यह याचिका दायर की है। इसमें केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर का निर्धारित समय सीमा में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का निर्देश देने की बात कही है।

याचिका में दलील दी गई है कि जम्मू-कश्मीर में पंचायती चुनाव और नगर निकाय चुनाव हो चुके हैं। मौजूदा सुरक्षा और प्रशासनिक स्थिति राज्य का दर्जा बहाल करने के अनुकूल है। लंबे समय तक राज्य का दर्जा न बहाल करना नागरिक अधिकारों का उल्लंघन है।

दरअसल, 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाने के बाद केंद्र सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश बनाया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में केंद्र के फैसले को चुनौती दी गई। दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य से आर्टिकल 370 हटाने और विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करने को सही माना था। तब सुप्रीम कोर्ट के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आश्वासन दिया था कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करेगी। हालांकि कोर्ट ने इस बहाली के लिए कोई स्पष्ट समय सीमा नहीं दी थी।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की अटकलें

केंद्र सरकार जल्द ही जम्मू-कश्मीर को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा दे सकती है। इसे लेकर पिछले 4 दिन अटकलें चलीं कि सरकार मंगलवार को इसका ऐलान कर सकती है।

इस बीच सोमवार को CM उमर अब्दुल्ला ने कहा,

कल जम्मू-कश्मीर को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन मेरी समझ कहती है कि कल कुछ खास नहीं होगा। न कुछ बुरा होगा, न ही कोई अच्छा फैसला आएगा।

4 दिन से हलचल तेजः कश्मीरी नेताओं को दिल्ली बुलाया, पीएम-शाह राष्ट्रपति से मिले

1 अगस्तः सीएम उमर 1 अगस्त को गुजरात के दौरे पर थे। उन्होंने केवड़िया साबरमती रिवरफ्रंट पर दौड़ लगाई। उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। पीएम मोदी ने इसकी तारीफ की।

2 अगस्तः जम्मू-कश्मीर के कमिश्नर ने खराब मौसम का हवाला देकर अचानक अमरनाथ यात्रा बंद कर दी थी।

3 अगस्तः पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने अचानक राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से मुलाकात की।

4 अगस्तः कश्मीरी नेताओं की अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात हुई। गृहमंत्री शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, गृह सचिव गोविंद मोहन और इंटेलिजेंस ब्यूरो के चीफ तपन कुमार डेका के साथ हाई सिक्योरिटी मीटिंग की।

धारा 370 क्यों हटाई गई थी

भारत सरकार ने 5 अगस्त 2019 को धारा 370 को हटाने का फैसला लिया। सरकार का तर्क था कि यह कदम राष्ट्रीय एकता, विकास और आतंकवाद पर लगाम के लिए जरूरी था। धारा 370 जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देती थी, जिसके तहत वहां का अपना संविधान और अलग कानून थे। इससे भारत के बाकी हिस्सों के लोग वहां जमीन नहीं खरीद सकते थे और न ही स्थायी नागरिक बन सकते थे।

केंद्र सरकार के अनुसार, इस धारा ने राज्य को मुख्यधारा से अलग कर रखा था और विकास बाधित हुआ। गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कहा था कि यह प्रावधान आतंकवाद को बढ़ावा देता था और कश्मीर घाटी में अलगाववाद की सोच को जन्म देता था।

धारा 370 हटाकर राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया गया।

टेस्ला ने मस्क को 2.50 लाख करोड़ के शेयर दिएःटेस्ला चाहती है मस्क का ध्यान कंपनी पर बना रहे, इसलिए गुड फेथ में दिए

24 न्यूज अपडेट

इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला ने अपने सीईओ और चेयरमैन इलॉन मस्क को कंपनी के 9.6 करोड़ शेयर दिए हैं। इनकी कीमत 29 अरब डॉलर यानी लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपए है।

कंपनी ने इसे "गुड फेथ" में दिया गया अवॉर्ड बताया। यह कदम तब उठाया गया है, जब छह महीने पहले ही डेलावेयर कोर्ट ने मस्क के 2018 के मल्टी-बिलियन डॉलर के कंपनसेशन पैकेज को रद्द कर दिया था। टेस्ला ने इसके खिलाफ अपील की है।

क्यों दिया गया इतना बड़ा ग्रांट?

टेस्ला ने अपने निवेशकों को बताया कि यह शेयर ग्रांट मस्क को कंपनी में बनाए रखने के लिए दिया गया है, क्योंकि उनका ध्यान टेस्ला के अलावा उनकी अन्य कंपनियों जैसे स्पेसएक्स, XAI और न्यूरालिंक पर भी है। राजनीति में भी उनका ध्यान है।

ये शेयर ऐसे नहीं कि मस्क को तुरंत मिल जाएंगे। इसके लिए उन्हें 2027 तक टेस्ला में बड़े ओहदे पर काम करना होगा। हर शेयर के लिए 23.34 डॉलर भी देने होंगे।

ये 2018 के कंपनसेशन पैकेज की कीमत के बराबर है। साथ ही, इन शेयरों को पांच साल तक बेच भी नहीं सकते सिवाय टैक्स या खरीद की कीमत चुकाने के लिए।

मस्क टेस्ला में 13 फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं। उन्होंने पिछले महीने कंपनी की कमाई से जुड़े एक कॉल में संकेत दिया था कि वे टेस्ला में और ज्यादा शेयर चाहते हैं।

2018 में टेस्ला ने इलॉन मस्क को जो कंपनसेशन पैकेज दिया था, उसकी कीमत उस समय लगभग 56 अरब डॉलर आंकी गई थी। यानी, करीब 4.9 लाख करोड़ रुपए।

यह पैकेज स्टॉक ऑप्शंस पर आधारित था, जो टेस्ला के शेयरों की कीमत और कंपनी के प्रदर्शन पर निर्भर था। हालांकि यह राशि समय के साथ बदलती रही, क्योंकि शेयरों की कीमत में उतार-चढ़ाव होता रहा। उस समय इसे दुनिया का सबसे बड़ा सीईओ पैकेज माना गया था।

1971 के अखबार से भारतीय सेना का अमेरिका पर निशानाःकहा-अमेरिका ने युद्ध के लिए पाकिस्तान को हथियार दिए; कल ट्रम्प ने धमकी दी थी

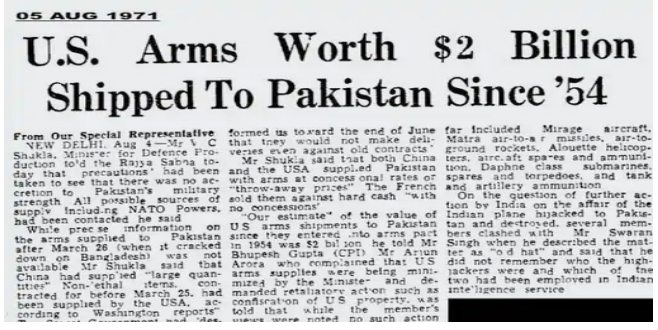
05 AUG 1971

U.S. Arms Worth $2 Billion Shipped To Pakistan Since '54

From Our Special Representative

NEW DELHI, Aug 4—Mr V C Shukla, Minister for Defence Production told the Rajya Sabha today that precautions had been taken to see that there was no accretion to Pakistan's military strength. All possible sources of supply including NATO Powers, had been contacted, he said.

While precise information on the arms supplied to Pakistan after March 26 (when it cracked down on Bangladesh) was not available, Mr Shukla said that China had supplied "large quantities" Non-lethal items, contracted for before March 25, had been supplied by the USA, according to Washington reports formed us toward the end of June that they would not make deliveries even against old contracts.

Mr Shukla said that both China and the USA supplied Pakistan with arms at concessional rates of "throw-away prices". The French sold them against hard cash "with no concessions".

"Our estimate" of the value of U.S. arms shipments to Pakistan since they entered into arms pact in 1954 was $2 billion, he told Mr Bhupesh Gupta (CPI). Mr Arjun Arora who complained that U.S. arms supplies were being minimized by the Minister and demanded retaliatory action such as confiscation of U.S. property, was told that while the member's views were noted, no such action far included Mirage aircraft, Matra air-to-air missiles, air-to-ground rockets, Alouette helicopters, aircraft spares and ammunition, Daphne class submarines, spares and torpedoes, and tank and artillery ammunition.

On the question of further action by India on the affair of the Indian plane hijacked to Pakistan and destroyed, several members clashed with Mr Swaran Singh when he described the matter as "cut hat" and said that he did not remember who the hijackers were and which of the two had been employed in Indian intelligence service.

24 न्यूज अपडेट

भारतीय सेना ने मंगलवार को 1971 के एक अखबार की कटिंग शेयर कर अमेरिका पर निशाना साधा है। इसमें दिखाया गया है कि 1971 के युद्ध की तैयारी में अमेरिका पाकिस्तान को हथियार दे रहा था।

सेना की ईस्टर्न कमान ने X पोस्ट में लिखा- 'इस दिन, उस साल, युद्ध की तैयारी 05 अगस्त 1971, फैक्ट जानें। 1954 से अब तक (1971) पाकिस्तान को 2 अरब डॉलर के अमेरिकी हथियार भेजे गए।'

इंडियन आर्मी का ये पोस्ट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारत पर ज्यादा टैरिफ लगाने की धमकी के एक दिन बाद आया है। ट्रम्प ने सोमवार को कहा था- भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे खुले बाजार में मुनाफे के साथ बेच रहा है। मैं भारत पर लगने वाले टैरिफ में भारी इजाफा करूंगा।

भारत से 1971 का युद्ध पाकिस्तान ने अमेरिका-चीन के हथियारों से लड़ा

5 अगस्त 1971 के अखबार की रिपोर्ट में उस समय के रक्षा उत्पादन मंत्री वीसी शुक्ला के बयान का जिक्र है। उन्होंने राज्यसभा को बताया था कि पाकिस्तान को हथियार देने के मुद्दे पर नाटो देशों और सोवियत संघ से बातचीत की गई थी।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सोवियत संघ और फ्रांस ने पाकिस्तान को हथियार देने से इनकार कर दिया था, लेकिन अमेरिका ने समर्थन जारी रखा। अमेरिका और चीन दोनों ने पाकिस्तान को हथियार बेहद सस्ती कीमतों पर बेचे थे। इससे यह साफ होता है कि भारत के खिलाफ 1971 का युद्ध पाकिस्तान ने इन्हीं देशों से मिले हथियारों से लड़ा था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को भारत पर 'और ज्यादा टैरिफ' लगाने की धमकी दी जिसके बाद भारत ने पहली बार अमेरिका का नाम लेकर खुलकर जवाब दिया। डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को सोशल मीडिया पर लिखा था कि भारत को परवाह नहीं है कि रूस के हमले में कितने लोग मारे जा रहे हैं। इसलिए, मैं भारत पर टैरिफ को बढ़ाने जा रहा हूं।

इसके जवाब में भारत ने रूस से अमेरिका और यूरोपीय यूनियन (EU) को होने वाले निर्यात का आंकड़ा जारी कर कहा, 'अमेरिका अपने परमाणु उद्योग के लिए रूस से यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, ईवी उद्योग के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायन का आयात जारी रखे हुए है। यही हाल EU का है। ऐसे में भारत को निशाना बनाना अनुचित और तर्कहीन है।

सोना 230 बढ़कर 1,00,397 प्रति 10 ग्राम पर पहुंचाःचांदी 1.12 लाख किलो बिक रही

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 5 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 230 रुपए बढ़कर 1,00,397 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने का भाव 1,00,167 रुपए पर था।

वहीं चांदी की कीमत 528 रुपए बढ़कर 1,12,428 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,11,900 रुपए पर थी। वहीं 23 जुलाई को सोने ने 1,00,533 रुपए और चांदी ने 1,15,850 रुपए ऑल टाइम हाई बनाया था।

झारखंड के पूर्व CM शिबू सोरेन का हुआ अंतिम संस्कारःहेमंत सोरेन ने दी मुखाग्नि, राहुल गांधी और खड़गे भी शामिल हुए

24 न्यूज अपडेट

झारखंड के पूर्व CM शिबू सोरेन का आज यानी मंगलवार को उनके पैतृक गांव नेमरा (रामगढ़) में अंतिम संस्कार किया गया। सीएम हेमंत सोरेन ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शामिल हुए।

रांची से रामगढ़ जाने के दौरान कई जगह लोगों ने श्रद्धांजलि दी। सड़क किनारे समर्थक खड़े थे और शिबू सोरेन अमर रहे के नारे लगा रहे थे।

इससे पहले मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में लोगों ने मोरहाबादी स्थित उनके आवास पर गुरुजी के अंतिम दर्शन किए और श्रद्धांजलि दी।

शिबू सोरेन के करीबियों में गिने जाने वाले पूर्व सीएम चंपाई सोरेन भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। इसके साथ ही पूर्णिया सांसद पप्पू यादव, आप सांसद संजय सिंह अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रांची पहुंचे।

फिर पार्थिव शरीर उनके आवास से विधानसभा पहुंचा। जहां राज्यपाल संतोष गंगवार, स्पीकर रवींद्र महतो समेत कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पूर्णिया सांसद ने पूर्व CM को आदिवासी अस्मिता और संघर्ष का प्रतीक बताते हुए X पर लिखा- 'शिबू सोरेन जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। झारखंड सरकार के मंत्री इरफान अंसारी ने भी भारत रत्न देने की मांग की है।'

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

24 न्यूज अपडेट

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने दोपहर 1:12 बजे अंतिम सांस ली।

सत्यपाल मलिक लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। 11 मई को हालत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे जम्मू-कश्मीर, बिहार, गोवा और मेघालय के राज्यपाल रहे। 2018 में ओडिशा के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला। सत्यपाल 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे। इन्हीं के कार्यकाल के दौरान ही आज ही के दिन 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाया गया था।

सेंसेक्स 308 अंक गिरकर 80,710 पर बंदःनिफ्टी भी 73 अंक फिसला; ऑयल एंड गैस और फार्मा इंडेक्स सबसे ज्यादा गिरे

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार, 5 अगस्त सेंसेक्स 308 अंक गिरकर 80,710 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 73 अंक की गिरावट रही, ये 24,650 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में तेजी और 13 में गिरावट रही। टाइटन, मारुति और ट्रेंट के शेयर 2% तक चढ़कर बंद हुए। अडाणी पोर्ट्स, रिलायंस, इंफोसिस, ICICI बैंक और जोमैटो के शेयर्स 2% गिरकर बंद हुए।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 24 में तेजी और 26 में गिरावट रही। NSE के ऑयल एंड गैस, फार्मा और FMCG इंडेक्स सबसे ज्यादा गिरे। हालांकि ये गिरावट 1% से नीचे रही। ऑटो, मेटल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में मामूली तेजी रही।

प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम में भगदड़, 2 की मौतःएमपी के सीहोर में कांवड़ यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे, भीड़ में दबने से जान गई

24 न्यूज अपडेट

सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में मंगलवार को भारी भीड़ के चलते भगदड़ में दो लोगों की मौत हो गई। 8 से 10 श्रद्धालु चक्कर और घबराहट की शिकायत के बाद अस्पताल पहुंचे हैं। जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है।

प्रदीप मिश्रा बुधवार को कुबेरेश्वर धाम से चितावलिया हेमा गांव तक कांवड़ यात्रा निकालने वाले हैं। इसमें शामिल होने के लिए एक दिन पहले ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भंडारे, ठहराव और दर्शन के लिए जगह कम पड़ने लगी, जिससे भीड़ बेकाबू हो गई। कई स्थानों पर अफरातफरी का माहौल बन गया। तीन लोग नीचे गिर गए। इनमें से दो की दबने से मौत हो गई।

घायलों को अस्पताल ले जाने में लगे डेढ़ घंटे

कुबेरेश्वर धाम के आसपास इतनी ज्यादा भीड़ है कि घायलों को जिला अस्पताल ट्रॉमा सेंटर लाने में डेढ़ घंटे का समय लग गया। घटना के 3 घंटे बाद भी स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन दोनों मृतकों की पहचान नहीं कर सका है। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. प्रवीर गुप्ता ने हादसे को लेकर कुछ भी कहने से मना कर दिया।

विधायक बोले- प्रशासन ने पूरे इंतजाम किए, लेकिन भीड़ बढ़ी

मानसून सत्र के लिए भोपाल पहुंचे सीहोर विधायक सुदेश राय ने हादसे को लेकर कहा, बेहद दुख की बात है। मैंने मुख्यमंत्री मोहन यादव जी को भी इसकी जानकारी दी है। कुबेरेश्वर धाम में बुधवार को कांवड़ यात्रा है। इसमें शामिल होने दूसरे राज्यों से भी श्रद्धालु यहां आ गए हैं। पुलिस और प्रशासन ने अपनी ओर से सभी इंतजाम कर रखे हैं। भीड़ ज्यादा होने के चलते हादसे हो जाते हैं। मैं मौके पर पहुंचकर देखूंगा कि अनहोनी कैसे हुई।

संपादकीय : शुल्क का सामना

अमेरिका की ओर से भारत पर पच्चीस फीसद शुल्क लगाने की घोषणा ने न केवल भारतीय निर्यातकों की चिंता बढ़ा दी है, बल्कि झाले भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर भी अनिश्चितताएं पैदा हो गई हैं। स्वाभाविक है कि इससे दोनों देशों को होने वाले नफा-नुकसान को लेकर विभिन्न स्तर पर आकलन भी शुरू हो गया है। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका के इस फैसले के पीछे भू-राजनीतिक परिदृश्य से भारत पर दबाव बनाने की रणनीति भी शामिल है, लेकिन इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इसका कुछ असर अमेरिका को खुद भी झेलना पड़ सकता है। सवाल यह है कि भारत इस स्थिति से किस तरह निपटेगा ? भारतीय निर्यातकों की चिंता भी वाजिब है, क्योंकि अमेरिकी शुल्क से भारत के निर्यात पर असर पड़ सकता है और अगर ऐसा हुआ तो उनका कारोबार प्रभावित होगा। यही वजह है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के साथ बैठक में निर्यातकों ने सरकार से वित्तीय सहायता और किफायती ऋण की मांग की है। बैठक में निर्यातकों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में ऋण पर ब्याज दरें आठ से बारह फीसद या उससे भी अधिक होती हैं। जबकि प्रतिस्पर्धी देशों में ब्याज दर बहुत कम है। जैसे, चीन में केंद्रीय बैंक की दर 3.1 फीसद, मलेशिया में तीन, थाईलैंड में दो और वियतनाम में 4.5 फीसद है। साथ ही कहा गया कि अमेरिकी खरीदारों ने मांग को रद्द करना या रोककर रखना शुरू कर दिया है। ऐसे में अगर आने वाले दिनों में भारत के निर्यात कारोबार में बड़े स्तर पर गिरावट आई तो इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर कम होने लगेंगे। यों सरकार ने अमेरिकी शुल्क से पैदा होने वाली संभावित दिक्कतों से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के साथ निर्यातकों की बैठक इन्हीं तैयारियों का हिस्सा है। कहा जा रहा है कि सरकार ने निर्यातकों से सुझाव मांगे हैं, जिन पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। इसके अलावा केंद्र सरकार निर्यातकों को समर्थन देने के लिए राज्यों के साथ बातचीत करने पर भी विचार कर रही है। माना जा रहा है कि अमेरिकी शुल्क का ज्यादा असर वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा एवं जूते-चप्पल, रसायन और विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी उद्योग पर पड़ सकता है। भारत के चमड़ा और परिधान निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी तीस फीसद से अधिक है। व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि अगर शुल्क की वजह से अमेरिका में भारतीय वस्तुओं की मांग घटती है, तो निर्यात कारोबारियों को ब्रिटेन और जापान जैसे नए बाजार तलाशने होंगे। ऐसी स्थिति में ब्रिटेन के साथ हुआ भारत का मुक्त व्यापार समझौता फायदेमंद साबित हो सकता है। वहीं, अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का दूसरा पहलू यह है कि भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर भी अनिश्चितता का माहौल पैदा हो गया है। अमेरिका पहले से ही इस समझौते के तहत भारतीय कृषि एवं डेयरी बाजार को खोलने की मांग पर अड़ा हुआ है। हालांकि, भारत स्पष्ट कर चुका है कि राष्ट्रहित से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। इसे लेकर पांच दौर की वार्ता हो चुकी है और देखना होगा कि 25 अगस्त से भारत में छठे दौर की संभावित वार्ता में भारत का क्या रुख रहेगा। जहां तक अमेरिकी शुल्क की बात है तो भारत के पास जवाबी शुल्क लगाने का विकल्प भी सुरक्षित है।

अपराध के पांव

दिल्ली की कानून व्यवस्था पर इससे बड़ा सवालिया निशान क्या होगा कि अति विशिष्ट इलाके में झपटमार एक महिला सांसद की चेन छीन कर भाग जाएं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आम आदमी किस कदर असुरक्षित माहौल में रहने पर मजबूर है। सुरक्षा चाक-चौबंद होने के तमाम दावों के बावजूद दिल्ली में जिस तरह से पिछले कुछ वर्षो में झपटमारी, लूटपाट और हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं, उससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठे हैं। यह हाल तब है जब दिल्ली में दो-दो सरकारें हैं और पुलिस सीधे केंद्र के नियंत्रण में है। ताज्जुब है कि अपराधियों पर नजर रखने के लिए अत्याधुनिक तकनीकी संखधन होने पर भी अपराधों पर काबू नहीं पाया जा सका है। अगर दिल्ली पुलिस में पर्याप्त बल की अब भी कमी है, तो इसे पूरा करने की जिम्मेदारी किसकी है? गौरतलब है कि दिल्ली के चाणक्यपुरी जैसे अति विशिष्ट इलाके में सोमवार की सुबह सैर के लिए निकलीं तमिलनाडु की लोकसभा सांसद आर सुधा सरेआम झपटमारी की शिकार हो गईं। पोलैंड दूतावास के पास से गुजरते समय झपटमार उनसे सोने की चेन छीन कर भाग गया। छीना- झपटी के क्रम में उनके गले में चोट भी आई। दिल्ली के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में यह चौंका देने वाली घटना तो है ही, इससे पुलिस की कार्यशैली और उसके प्रभाव पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। खासतौर पर ऐसे समय में, जब संसद सत्र चल रहा हो और इस दौरान दिल्ली के केंद्रीय हिस्से में सुरक्षा व्यवस्था सख्त मानी जाती है। मगर इस घटना के बाद यह कहा जा सकता है कि आम आपराधिक घटनाओं के समांतर दिल्ली में बहुस्तरीय सुरक्षा इंतजामों के घेरे वाले इलाके में भी अगर महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, तो देश के बाकी हिस्सों में क्या उम्मीद की जा सकती है ? स्वाभाविक है कि इस घटना को गंभीरता से लेते हुए त्वरित जांच की उम्मीद की जानी चाहिए, लेकिन सवाल है कि कई दूतावासों वाले इलाके में भी पर्याप्त पुलिस बल की ऐसी मौजूदगी क्यों नहीं थी कि असामाजिक तत्त्वों से निपटा जा सके ? अगर अति विशिष्ट क्षेत्र में अपराधी अपने मंसूबे में कामयाब हो रहे हैं, तो दिल्ली के दूसरे इलाकों में सड़कों पर आम आदमी की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

मुझाने लगा है भाई साहब के कर कमलों से लगा पौधा, चाहिए "खाद-पानी"

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर की आयड़ नदी के सौंदर्य में चार चांद लगाने का दावा करते हुए कुछ दिन पहले पौधारोपण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पौधे लगाए गए थे। इन पर नामों की तख्तियां भी लगाई गईं थीं। प्रशासन और नताओं की ओर से खूब प्रचार भी किया गया था कि हम ही हैं आयड़ के खेवनहार और चिंता करने वाले। मगर कुछ दिन में ही नाम की तख्तियां चोरी हो गईं और चाक-चौबंद व्यवस्था की पोल खुल गई। अब मौके पर आज जब हमने जायजा लिया तो पता चला कि बचे हुए कई सारे पौधे अपने जीवन की अंतिम सांसें गिन रहे हैं। कुछ के केवल ठूंठ बचे हैं तो कुछ में पत्ते सूख रहे हैं। केवल कुछ ही ऐसे हैं जिनके कुछ नए व हरे पत्तों की कोंपलें फूट रही हैं। पंजाब के महामहिम राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने जो पौधा लगाया था उसमें अब केवल तना ही बचा है। पत्तियां का नामो निशान नही बचा है। इस पौधे को खाद-पानी की भी जरूरत है ताकि इसमें उम्मीदों की नई कोंपलें फूट सके। पास में ही लगे हुए अन्य नेताओं के पौधों के पनपने की अब भी उम्मीद की जा सकती है अगर उन पर समय रहते ट्री गार्ड लगा दिए जाएं तो। नदी के सभी पौधों को समय समय पर पानी पिलाते रहने की भी जरूरत महसूस की जा रही है। हम आपको बता दें कि हालांकि नदी के पेटे में पौधे लगाने का आइडिया ही पूरी तहर से गलत और बेतुका था मगर फिर भी बड़े बड़े अधिकारियों ने यह इनिशिएटिव लिया तो पौधों का प्रशासनिक रूप से जीवित रहना और राजनीतिक रूप से रीढ़ की हड्डी तान कर खड़े रहना जरूरी हो गया है। लेकिन जब दोनों तरफ से बेरूखी दिखाई देने लगे तो लगता है कि पूरा सिस्टम ही गड़बड़झाले का शिकार हो गया है। अभी हालत ये हैं कि लगभग सभी पौधे झुके हुए हैं। आनंद प्लाजा के सामने पुलिस चौकी के पीछे जो पौधे लगाए गए हैं उनको देख कर ऐसा लगता है कि केवल पौधे लगाने की औपचारिकता पूरी करनी थी, इसलिए पौधे लगा दिए गए। यहां भी सार-संभाल एकदम शून्य है।

उदयपुर से शालीमार जाने वाली ट्रेन 30 अगस्त को रद्द, तकनीकी कार्य के चलते रेलसेवाएं प्रभावित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में चांपा से झारसुगुडा स्टेशनों के मध्य नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते उत्तर पश्चिम रेलवे की कई रेलसेवाएं अस्थाई रूप से रद्द की गई हैं। इसका असर उदयपुर से चलने वाली एक लंबी दूरी की ट्रेन पर भी पड़ेगा। रेलवे प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार तकनीकी कार्य के कारण उदयपुर सिटी-शालीमार रेलसेवा (गाड़ी संख्या 20971) दिनांक 30 अगस्त 2025 को रद्द रहेगी। वहीं, शालीमार से उदयपुर सिटी लौटने वाली रेलसेवा संख्या 20972 दिनांक 31 अगस्त 2025 को रद्द की गई है। इसके अतिरिक्त अन्य प्रभावित रेलसेवाएं इस प्रकार हैं— पुरी-जोधपुर रेलसेवा (20813) दिनांक 27 अगस्त 2025 को रद्द। जोधपुर-पुरी रेलसेवा (20814) दिनांक 30 अगस्त 2025 को रद्द। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पूर्व अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें।

थाने में ज्वेलर की मौत मामले को परिजनों ने बताया हत्या, चार पुलिसकर्मी सस्पेंड, पुलिस पर टॉर्चर सहित अन्य गंभीर आरोप, कस्टडी में मौत आखिर कब तक??? क्या मिल पाएगा परिवार को न्याय??

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर जिले के ऋषभदेव थाना क्षेत्र में हिरासत के दौरान एक ज्वेलर की मौत ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है व आक्रोष की लहर है। 55 वर्षीय सुरेश पंचाल की मौत के बाद परिजनों और समाज के लोगों ने पुलिस पर कस्टडी में हत्या जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। क्या यह महज संयोग है या फिर पुलिस कस्टडी में हुए गंभीर टॉर्चर का नतीजा? सवाल कई हैं, लेकिन जवाब केवल फौरी कार्रवाई के बाद अब भी अधूरे हैं। आपको बता दें कि डूंगरपुर जिले के बिछीवाड़ा निवासी सुरेश पंचाल को सोमवार दोपहर ऋषभदेव पुलिस पूछताछ के लिए थाने लाई थी। आरोप था कि चोरी का सामान खरीदा है। शाम होते-होते खबर आई कि थाने में तबीयत बिगड़ गई और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। लेकिन परिजन इसे महज तबीयत बिगड़ना नहीं मान रहे वे इसे हिरासत में हत्या होना बता रहे हैं। मृतक के बेटे हिमांशु पंचाल ने आरोप लगाया कि उनके पिता को पहले उदयपुर के गोवर्धन विलास थाना ले गए, जहां डराया और धमकाया गया। इसके बाद ऋषभदेव लाया गया। "पिता बिल्कुल स्वस्थ थे, अचानक उनकी मौत कैसे हो सकती है? साफ है कि पुलिस की प्रताड़ना ने उन्हें मार डाला। अब स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसपी योगेश गोयल मौके पर पहुंचे और चार पुलिसकर्मियों को तत्काल सस्पेंड कर दिया। उन्होंने कहा कि परिजनों की रिपोर्ट पर जांच शुरू कर दी गई है और एडिशनल एसपी रैंक के अधिकारी से जांच कराई जा रही है। साथ ही करप्शन के अलग आरोपों की भी जांच होगी। समाज और व्यापारियों का फूटा गुस्सा मौत की खबर फैलते ही बिछीवाड़ा, ऋषभदेव और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। देर रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और थाने के बाहर जोरदार विरोध हुआ। सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष यशवंत आंचलिया ने मीडिया से कहा, "पुलिस लंबे समय से व्यापारियों को बिना कारण प्रताड़ित कर रही है। एसपी ने खुद कहा था कि व्यापारियों से पूछताछ से पहले सर्राफा संघ को जानकारी दी जाए। लेकिन पुलिस मनमानी कर रही है। अब यह मौत इस लापरवाही की परिणति है।" मुआवजा और नौकरी की मांग मंगलवार सुबह ऋषभदेव कस्बे के पंचाल समाज के नोहरा (बाड़ा) में प्रशासन और समाज के लोगों के बीच बैठक हुई। परिजनों ने निष्पक्ष जांच, आर्थिक मुआवजा, और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की। बैठक में एडिशनल एसपी गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, एसडीएम अंजना सुखवाल, और तहसीलदार वीरेंद्र राठौड़ मौजूद रहे। अब सवाल यह उठ रहे हैं कि पूछताछ के नाम पर पुलिस को कहां तक छूट दी जा सकती है? क्या नियमों को ताक पर रखकर हिरासत में टॉर्चर अब भी जारी है? ज्वेलर दोषी भी था, तो क्या पुलिस को कानून हाथ में लेने का अधिकार है? लोगों का कहना है कि यह सिर्फ एक मौत नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था और मानवाधिकारों पर सीधा सवाल है। यदि दोषी पुलिसकर्मियों को कड़ी सजा नहीं दी गई, तो यह परंपरा बन जाएगी। सीबीआई या न्यायिक जांच की मांग भी उठाई जा रही है ताकि सच्चाई सामने आए और कोई और सुरेश पंचाल पुलिस हिरासत में न मरे।

नाथद्वारा-ओखा रेलसेवा रहेगी रेगुलेट

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। राजकोट मण्डल के लाखाबावल-पीपली-कानालुस रेलखण्ड के मध्य दोहरीकरण कार्य के लिए रेलवे द्वारा ब्लॉक लिया जा रहा है। इस कारण रेल यातायात आंशिक रूप से प्रभावित रहेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस कार्य के चलते गाड़ी संख्या 19576, नाथद्वारा-ओखा एक्सप्रेस दिनांक 07 अगस्त 2025 एवं 14 अगस्त 2025 को नाथद्वारा से प्रस्थान करने के उपरांत पश्चिम रेलवे सीमा में 4 घंटे 25 मिनट तक रेगुलेट रहेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पूर्व संबंधित तिथियों में अपने रेल नंबर की स्थिति अवश्य जांच लें और यात्रा की योजना इस सूचना के अनुसार बनाएं।

भजनों की सुरमयी धारा में झूमे भक्त, फूलों से सजा श्री राजराजेश्वर महादेव मंदिर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पवित्र सावन माह के उपलक्ष्य में टेकरी स्थित श्री राजराजेश्वर महादेव मंदिर में खाटू नरेश बाबा श्याम का भव्य झूला महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दिल्ली से मंगवाया गया विशेष श्रृंगार बाबा को अर्पित किया गया, जिससे मंदिर परिसर भक्ति भाव से आलोकित हो उठा। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा श्याम के अलौकिक दर्शन करने मंदिर पहुँचे। श्रद्धालुओं ने बाबा को झूले पर विराजित देख नतमस्तक होकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां दीं, जिनकी स्वर लहरियों में समस्त भक्तगण झूमते और नाचते दिखाई दिए। बाबा श्याम को छप्पन भोग अर्पित कर भक्ति भाव से पूजा-अर्चना की गई। मंदिर को रंग-बिरंगे और सुगंधित फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। सावन माह के इस विशेष पर्व पर आयोजित यह झूला महोत्सव भक्तों के लिए आध्यात्मिक आनंद और भक्ति रस का अनुपम संगम बन गया। आयोजकों के अनुसार, आगामी सावन सोमवार तक मंदिर में विशेष झांकी एवं भजन संध्याएं आयोजित की जाएंगी।

लघु उद्योग भारती की संगोष्ठी 7 को उदयपुर में, उद्योग, पर्यावरण और नीलामी प्रक्रिया, स्टोन मार्ट 2026 की तैयारियों पर होगा मंथन

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। राजस्थान के लघु उद्यमियों की समस्याओं के समाधान एवं शासन-प्रशासन से सीधे संवाद की दिशा में लघु उद्योग भारती एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। "उद्योग, वन, पर्यावरण एवं खनिज विभाग से संबंधित समस्याओं पर केंद्रित संगोष्ठी" का पहली बार उदयपुर में आयोजन किया जाएगा। यह भव्य आयोजन 7 अगस्त को लाभगढ़ पैलेस, चीरवा घाट, एकलिंगजी रोड, उदयपुर में किया जाएगा। कपिल सुराना संयोजक व मुकेश सिन्हा उप संयोजक ने बताया कि एक दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य उद्यमियों को शासन स्तर पर अपनी समस्याएं, अनुभव एवं सुझाव सीधे संबंधित विभागों के अधिकारियों व मंत्रियों के समक्ष रखने का अवसर प्रदान करना है। संगोष्ठी में राजस्थान सरकार के उद्योग, वन, पर्यावरण और खनिज विभागों से जुड़े मंत्रीगण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारीगण, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पदाधिकारीगण तथा प्रदेश के प्रमुख उद्योगपति उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम की रूपरेखा:

संगोष्ठी प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक दो चरणों में आयोजित की जाएगी। संयोजक कपिल सुराणा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के पंजीयन, परिचय एवं स्वागत से होगी। संगोष्ठी में प्रदेश भर से आए उद्यमियों, उद्योग संगठनों व प्रतिनिधियों की विशेष भागीदारी रहेगी।

प्रथम सत्र में इन विषयों पर होगी चर्चा

उद्योग संचालन में आ रही वर्तमान समस्याएं

विभिन्न विभागों की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन

ई-गवर्नेंस एवं सिंगल विंडो सिस्टम को सशक्त करने की आवश्यकता

नए उद्योगों की स्थापना हेतु अनुमतियों की जटिल प्रक्रिया

खनिज पट्टों के आवंटन में विलंब और तकनीकी अड़चनें

वन भूमि पर एमएसएमई इकाइयों को प्राथमिकता देने की नीति

पर्यावरणीय मंजूरी प्रक्रिया में व्यवहारिकता

नवीनीकरण एवं नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता

इस सत्र की अध्यक्षता लघु उद्योग भारती के वरिष्ठ पदाधिकारीगण करेंगे, जिसमें राजस्थान उद्योग विभाग, मुख्य वन संरक्षक, पर्यावरण विभाग के निदेशक एवं खनिज विभाग के अतिरिक्त निदेशक जैसे शीर्ष अधिकारीगण मंच पर उपस्थित रहेंगे।

द्वितीय सत्रः दोपहर 1:30 बजे से

इस सत्र में उद्यमियों द्वारा पहले सत्र में बताए गए सुझावों और समस्याओं के आधार पर सरकार द्वारा संभावित नीतिगत परिवर्तनों और क्रियान्वयन रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। सत्र का संचालन प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी करेंगे। स्टोन मार्ट 2026 पर विशेष चर्चा संगोष्ठी-2 के दौरान आगामी फरवरी 2026 में जयपुर में प्रस्तावित "स्टोन मार्ट 2026" की तैयारियों पर भी गहन विचार-विमर्श होगा। इस आयोजन में पहली बार लघु उद्योग भारती की औपचारिक भागीदारी हो रही है। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी हर दो वर्ष में आयोजित होती है, जिसमें विश्व के अनेक देश भाग लेते हैं और भारतीय मार्बल व पत्थर उद्योग को वैश्विक पहचान दिलाई जाती है। यह रहेंगे प्रमुख रूप से उपस्थितः राजस्थान सरकार के उद्योग मंत्री एवं राज्य मंत्री उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं सचिव (वन एवं पर्यावरण) प्रदूषण नियंत्रण मंडल, खनिज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी लघु उद्योग भारती के केंद्रीय एवं राज्य पदाधिकारी राजस्थान के प्रमुख उद्यमीगण की उपस्थिति रहेगी।

चंद्रपाल सिंह चुंडावत बने राजस्थान रणजी ट्रॉफी टीम के फ़ील्डिंग कोच

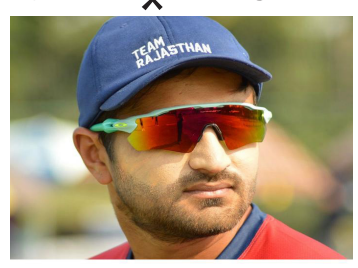

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर विनय क्रिकेट क्लब पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी चंद्रपाल सिंह को राजस्थान (सीनियर) रणजी ट्रॉफी टीम के फ़ील्डिंग कोच की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। यह जानकारी देते हुए विनय क्रिकेट क्लब के संस्थापक सचिव यशवन्त पालीवाल ने बताया कि चन्द्रपाल सिंह चुंडावत (सीटु) ने राजस्थान के लिए जुनियर वर्ग से लगाकर सीनियर वर्ग तक सभी फॉर्मेट में राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व किया है। , क्लब कि प्रवक्ता ममता राठौर ने बताया कि चन्द्रपाल सिंह गत वर्ष बीसीसीआई द्वारा आयोजित नेशनल क्रिकेट अकादमी में आयोजित परीक्षा में डिक्टेशन अंको के साथ लेवल 1 परिक्षा उत्तीर्ण कर बीसीसीआई लेवल 1 कोच की योग्यता अर्जित की है , इस साल पूरे राजस्थान से एक मात्र कोच है जो लेवल - २ के लिए भी क्वालीफाई हुए है। , उदयपुर के चन्द्रपाल सिंह वर्तमान में विनय क्लब द्वारा संचालित बी एन क्रिकेट एकेडमी में खिलाड़ीयो को प्रशिक्षण दे रहे हैं। वे स्वयं भी अपने समय में राजस्थान टीम के श्रेष्ठ फिल्डर की श्रेणी में आते हैं।, राजस्थान क्रिकेट संघ कि ऐडहॉक कमिटी के संयोजक दिन दयाल जी कुमावत ने राजस्थान के सभी वर्गों के लिए कोचिंग एवं सपोर्टिंग स्टाफ की नियुक्ति करते हुए यह पत्र जारी किया है। जिसमें चंद्रपाल के अलावा उदयपुर के ही निखिल डोरु सीनियर टीम का बैटिंग कोच, मनीष वर्मा को अंडर -16 टीम का बॉलिंग कोच एवं किंचित नागर को अंडर 14 टीम के लिए ट्रेनर नियुक्ति किया है।

नींद में रहते हैं अफसर, जब बन जाती है मंजिल तब होती है कार्रवाई! अवैध निर्माण पर उदयपुर नगर निगम की दुलमुल नीति सवालों के घेरे में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर निगम की नींद तब खुलती है जब दीवारें खड़ी हो चुकी होती हैं, छतें ढल चुकी होती हैं और मंजिलें आकार ले चुकी होती हैं। प्रताप नगर क्षेत्र में मंगलवार को हुई एक बड़ी कार्रवाई ने यह सवाल फिर से खड़ा कर दिया है कि जब इतना बड़ा अमला, इंजीनियर, निरीक्षक, राजस्वकर्मी और भवन शाखा के अधिकारी नगर निगम में कार्यरत हैं, तो अवैध निर्माण शुरू ही क्यों होने दिया जाता है?

प्रताप नगर में छत पंचर, लेकिन अफसरों की जवाबदेही शून्य

प्रताप नगर ई-क्लास निवासी भरत सेनानी द्वारा बिना स्वीकृति के एक अतिरिक्त मंजिल बना दी गई। जब पूरा ढांचा तैयार हो गया, तब जाकर नगर निगम की नींद खुली और अधिकारियों की फौज छत पंचर करने पहुंची। जबकि निगम के पास स्थानीय निरीक्षण, रूटीन जांच और निर्माण निगरानी जैसी व्यवस्थाएं पहले से मौजूद हैं। फिर सवाल यह है कि इतना सब होने तक निगम के अफसर क्या कर रहे थे? जो लोग महीने भर में निर्माण की प्रगति पर नजर रखते हैं, वे इस पूरे निर्माण को क्यों नहीं रोक पाए? क्या इन अफसरों पर कोई जवाबदेही तय की जाएगी या फिर केवल आमजन और भवन मालिक ही निशाना बनते रहेंगे? भरत सेनानी द्वारा कोर्ट में चुनौती देने के बाद भी न्यायालय ने कोई स्थगन आदेश नहीं दिया, जिससे निगम को कार्रवाई का मौका मिला, लेकिन यह केवल तकनीकी जीत है, नीतिगत नहीं। यदि अधिकारी समय पर सक्रिय होते, तो यह निर्माण कभी होता ही नहीं। अब जब लाखों रुपये खर्च हो चुके, सामग्री बर्बाद हो चुकी और समय जा चुका, तो कार्रवाई किसके हित में हुई?

निगम की अपील-एकतरफा चेतावनी या अपनी नाकामी पर पर्दा?

निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने एक बार फिर नागरिकों से अपील की है कि वे बिना स्वीकृति निर्माण न करें। लेकिन जनता का भी सवाल है कि जब निर्माण शुरू होता है, उसकी नींव रखी जाती है, पहली ईंट लगती है तब निगम कहां रहता है? क्या नगर निगम का काम केवल डंडा चलाना और तोड़फोड़ करना रह गया है, या फिर संरचनात्मक नियंत्रण और निगरानी भी उसकी जिम्मेदारी है?

कठघरे में सिस्टम, आंख मूंदे अधिकारी

यह पहली घटना नहीं है। उदयपुर में हर साल दर्जनों निर्माण बिना स्वीकृति के हो जाते हैं और निगम की मशीनरी तब हरकत में आती है जब छत पर आरसीसी पड़ चुका होता है। इससे न केवल भवन मालिक का नुकसान होता है, बल्कि सरकारी संसाधनों और करदाताओं की मेहनत का पैसा भी बेवजह बर्बाद होता है। जनता का सीधा सवाल यह है कि जिन अधिकारियों की ड्यूटी ही अवैध निर्माण पर नजर रखना है, उन पर क्या कार्रवाई होगी?

अब जरूरी है जवाबदेही तय करना

शहर को अवैध निर्माण से बचाने के लिए केवल तोड़फोड़ नहीं, पहले रोकथाम जरूरी है। इसके लिए जरूरी है कि:स्थानीय स्तर पर पारदर्शी निरीक्षण तंत्र बने, हर निर्माण गतिविधि का डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम लागू हो, भवन अनुज्ञा शाखा और क्षेत्रीय निरीक्षकों की जवाबदेही तय हो, गलती पर सिर्फ मकान मालिक नहीं, अफसर भी जवाबदेह हों, जब तक जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक यह 'छत पंचर मॉडल' केवल दिखावा ही रहेगा-देर से जागने वाली व्यवस्था का प्रतीक, जो खुद अपनी नाकामी पर पर्दा डालती है।

डॉ. रचना राठौड़ व डॉ. इंदु बाला आचार्य की पुस्तक 'भौतिक विज्ञान शिक्षण' का विमोचन, विद्यापीठ बीएड महाविद्यालय का स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 5 अगस्त। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), उदयपुर के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के 60वें स्थापना दिवस का आयोजन मंगलवार को गरिमामय वातावरण में हर्षोल्लासपूर्वक किया गया। इस अवसर पर डॉ. रचना राठौड़ और डॉ. इंदु बाला आचार्य द्वारा लिखित 'भौतिक विज्ञान शिक्षण' पुस्तक का विधिवत विमोचन हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि शिक्षा नीतियों के माध्यम से जो जिन विचारों पर वर्तमान में कार्य करवाए जा रहे है उस सोच के साथ संस्थापक जनुभाई ने प्रारंभ से ही विद्यापीठ के माध्यम से सामाजिक सरोकारों और वंचितों को शिक्षा के कार्य करवाए है। उन्होंने कहा कि संस्थापक मनीषी पंडित जनार्दनराय नागर के अनुसार राष्ट्र निर्माण के जिम्मेदार शिक्षकों को मानते हुए वे चाहते थे कि यहाँ से शिक्षा ग्रहण कर लोकमान्य शिक्षक तैयार हों, जो सभी को मान्य हो इसी सोच को ध्यान में रखते हुए 1966 में 80 विधार्थियों के साथ लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की स्थापना की, जहाँ वर्तमान में 2500 विधार्थी प्रतिवर्ष प्रशिक्षण लेकर इस महाविद्यालय से निकल कर अपने जीवन के पथ की नयी शुरूआत कर रहे हैं और शत प्रतिशत विधार्थी सरकारी या गैर सरकारी उद्यमों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति एवं कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर ने महाविद्यालय की प्रगति और संस्थापक कार्यकर्ताओं के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने वर्तमान शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा के दौर में मूल्यों की रक्षा करते हुए उच्च शिक्षा में गुणवत्ता बनाए रखने के प्रयासों की सराहना की। विमोचित पुस्तक शिक्षक प्रशिक्षण के क्षेत्र में उपयोगी डॉ. रचना राठौड़ और डॉ. इंदु बाला आचार्य द्वारा रचित 'भौतिक विज्ञान शिक्षण' पुस्तक का विमोचन समारोह का प्रमुख आकर्षण रहा। यह पुस्तक शिक्षकों व प्रशिक्षुओं को भौतिक विज्ञान के शिक्षण में आधुनिक दृष्टिकोण, प्रयोगधर्मिता और व्यवहारिकता से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगी।

महाविद्यालय की उपलब्धियों व योजनाओं पर प्रकाश

प्रारंभ में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सरोज गर्ग ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विगत 59 वर्षों की विकास यात्रा, नवाचारों और संस्थान की भावी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षक निर्माण और अनुसंधान आधारित शिक्षा की दिशा में संस्थान की प्रतिबद्धता को दोहराया।

रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

स्थापना दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गीत, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विविध प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, परंपरा और गुरु-शिष्य परंपरा को उजागर किया।

विशिष्टजनों की उपस्थिति ने बढ़ाया गौरव

इस अवसर पर डॉ. बलिदान जैन, डॉ. अमी राठौड़, डॉ. बी.एल. श्रीमाली, डॉ. अमिया गोस्वामी, डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव, डॉ. हिम्मत सिंह चूंडावत, डॉ. सुभाष पुरोहित, डॉ. पुनीत पांडेय, डॉ. हरीश मेनारिया, डॉ. अमित दवे, डॉ. सरिता मेनारिया, डॉ. इंदु बाला आचार्य, एवं निजी सचिव कृष्णकांत कुमावत सहित बड़ी संख्या में अकादमिक, प्रशासनिक एवं गैर-अकादमिक कार्मिक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरीश चौबीसा ने किया, जबकि आभार ज्ञापन डॉ. रचना राठौड़ ने किया।

अमृत भारत स्टेशन के अंतर्गत पाली मारवाड़ रेलवे स्टेशन का होगा काया कल्प, 96 करोड़ रुपए की लागत से होगा स्टेशन का पुनर्विकास

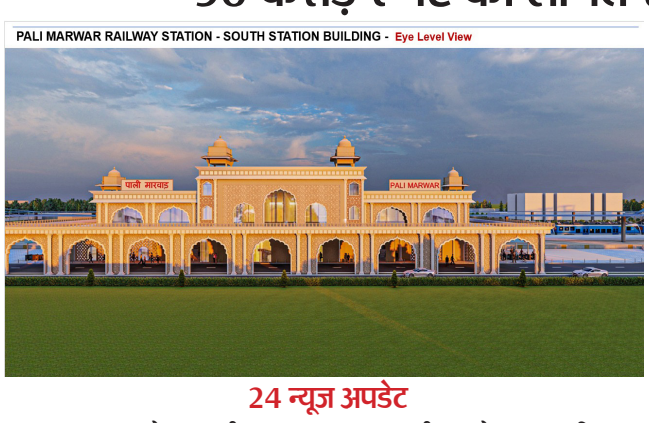

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, पाली। राजस्थान का पाली अपने समृद्ध इतिहास, जैन मंदिरों और व्यापार केंद्र के रूप में जाना जाता है। यह अपनी कपड़ा और तेल मिलों, कपास की छपाई और रंगाई तथा हाथीदांत व चंदन की लकड़ी की वस्तुओं जैसे हस्तशिल्प के लिए भी जाना जाता है। पाली मारवाड़ स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 96 करोड रुपए के लागत से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकास कार्य किया जा रहा है जिसमें स्थानीय कला, हेरिटेज और आधुनिकता का समावेश किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी की शशि किरण के अनुसार जोधपुर और जैसलमेर स्टेशनों के बाद पाली मारवाड़ जोधपुर मंडल का ऐसा तीसरा बड़ा स्टेशन होगा जिसका नए सिरे से पुनर्विकास कराया जा रहा है। पुनर्विकसित स्टेशन में नए स्टेशन भवन और एग्जीक्यूटिव लाउंज,लिफ्ट, एस्केलेटर जैसी आधुनिक सुविधाओं सहित सर्कुलेटिंग एरिया का विकास तथा पार्किंग सुविधा का विस्तार भी होगा। महाप्रबंधक श्री अमिताभ के निर्देशानुसार पाली मारवाड़ स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों के लिए शीघ्र टेंडर कर कार्य प्रारंभ किया जाएगा। पुनर्विकास कार्यों के अंतर्गत स्टेशन की नई बिल्डिंग में वेटिंग हॉल, एटीएम मशीन, शॉपिंग कॉमप्लेक्स, एग्जीक्यूटिव लॉन्ज, दिव्यांग अनुकूल सुविधाएं, 12 फीट चौड़ाई के फुट ओवर ब्रिज जैसी सुविधाओं का प्रावधान रखा जाएगा। सर्कुलेटिंग एरिया के सिरे का विकास होगा जिसमें चार पहिया में दो पहिया वाहनों की अलग-अलग पार्किंग व्यवस्था होगी। चार लिफ्ट व चार एस्केलेटर की स्थापना से यात्रियों, विशेषकर दिव्यांग और बुजुर्ग यात्रियों को एक से दूसरे प्लेटफार्म पर आने-जाने में सुविधा होगी। स्टेशन पर यात्रियों के प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग द्वार बनेंगे। स्टेशन के प्लेटफार्म की सतह और लंबाई बढ़ेगी तथा यात्री सुविधा के लिए कवरिंग शेड की भी लंबाई बढ़ाई जाएगी।

अपराधियों व पांवर बाईक राईडर के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई, 45 पॉवर बाईक जब्त

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। पुलिस ने वांछित अपराधियो एवं पॉवर बाईक राईडर के खिलाफ कडी कार्यवाही करते हुए ऑपरेशन संस्कार के तहत् 45 पॉवर बाईक जब्त की व 5 पत्थरबाज एवं एक वारंटी गिरफतार किया। थाना प्रभारी मदनलाल खटीक ने बताया की जिला पुलिस अधीक्षक के द्वारा ऑपरेशन संस्कार चला कर पत्थरबाजी करने वाले,पॉवर बाइरके से स्टंट करने वालो के खिलाफ एवं वाङ्क्षछत अपराधियो के खिलाफ अधिकाधि कार्यवाही करने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा,पुलिस उपअधीक्षक रूपसिंह के सुपरविजन में थाना प्रभारी खटीक के नेतृत्व में एसआई सोमेश्वर,एएसआई शंकरलाल,हरिसिंह,सुरेश कुमार भोई की अलग-अलग 4 टीम का गठन किया जिसनें ऑपरेशन संस्कार में तहत् पॉवर बाईक राईडर के खिलाफ कार्यवाही करते हूए 45 पॉवर बाईक जब्त की। पत्थरबाजी की घटना पर अकुंश लगाने पूर्व में पत्थरबाजी में लिप्त चालानशुदा 5 पत्थरबाजो को गिरफतार किया,न्यायालय से बलात्कार के मामले में मफरूर चल रहे गिरफतारी वारंटी को जोधपुर से गिरफतार किया। कार्यवाही में पत्थरबाजी करने वाले कपिल 22 पुत्र रूपलाल कटारा निवासी पंचवटी ,भावेश 19 बापुलाल कटारा निवासी पंचवटी ,प्रवीण 28 गटुलाल कटारा निवासी पंचवटी,योगेश 22 पुत्र लालशंकर रोत निवास पंचवटी,प्रवीण ङ्क्षसह 25 शक्तिङ्क्षसह राठौड निवासी ठाकरडा व गिरफतारी वारंटी हडमान राम 30 कंवराराम जाट निवासी डांगीयावास जिला जोधपुर को गिरफतार किया।

दीया कुमारी सहित 1200 बहनों ने बांधी सीएम भजनलाल को राखी, सीएम ने दी बहनों को फ्री यात्रा व 'लाड़ो योजना' की सौगात

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व को महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सम्मान के रूप में मनाते हुए मंगलवार को बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर में 'मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन दृ आंगनबाड़ी बहनों का सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में प्रदेशभर से 1.21 लाख आंगनबाड़ी बहनें वर्चुअल रूप से जुड़ीं, जबकि ऑडिटोरियम में 1200 बहनों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को राखी बांधकर भाई-बहन के इस पर्व को जीवंत किया। मुख्यमंत्री को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने राखी बाँधी और श्रीफल भेंट किया। मंच पर मुख्यमंत्री ने भावुक होकर कहा, "यह केवल रक्षाबंधन नहीं, बहनों के आत्मसम्मान का पर्व है। आज मुझे डेढ़ लाख बहनों का आशीर्वाद मिला है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूँ।" फ्री यात्रा की सौगात, 'पोषण शपथ' और 2000 मॉडल केंद्रों की घोषणा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन के अवसर पर दो दिन रोडवेज बसों में महिलाओं के लिए निःशुल्क यात्रा की घोषणा की। इसके साथ ही आंगनबाड़ी बहनों के कार्य की सराहना करते हुए उन्हें 'पोषण शपथ' भी दिलाई। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 1000 नए आंगनबाड़ी केंद्र खोले गए हैं और 2000 मॉडल केंद्र विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें बिजली, पानी, शौचालय, बैठने और खेल-कूद की सुविधाएं होंगी। पुराने भवनों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। दीया कुमारी बोलीं कि "ऐसा आत्मीय कार्यक्रम पहली बार देखा" उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा, "यह पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन पर आंगनबाड़ी बहनों के साथ इतना आत्मीय कार्यक्रम किया है। मैं भजनलाल जी को अपना बड़ा भाई मानती हूँ और उनका आभार प्रकट करती हूँ।" उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में दो वर्षों में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जिससे 1.35 लाख कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को सीधा लाभ मिलेगा।

'लाड़ो प्रोत्साहन योजना' का किया शुभारंभ

दीया कुमारी ने घोषणा की कि राज्य में बेटियों के जन्म पर 1.5 लाख की सेविंग योजना 'लाड़ो प्रोत्साहन योजना' शुरू की गई है, जिससे बालिकाओं के भविष्य को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा, "हर बच्ची तक योजना पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है और इसमें आंगनबाड़ी बहनों की भूमिका सबसे अहम है।" महिला सम्मान की संस्कृति को बताया राजस्थान की पहचान मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में राजस्थान की संस्कृति को नारी सम्मान की परंपरा वाला बताया। उन्होंने कहा, "यहां देवी का नाम पहले आता है, फिर देवता का। यह हमारी परंपरा और सोच है। सरकार का हर निर्णय महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सुविधा को प्राथमिकता देता है।" उन्होंने आंगनबाड़ी बहनों की मेहनत को नमन करते हुए कहा कि "गांवों में महिलाएं मां की तरह समाज की सेवा कर रही हैं। खेतों में काम करने के बाद वे बच्चों के पोषण और शिक्षा में भी अहम भूमिका निभाती हैं। मैं उनके इस समर्पण को प्रणाम करता हूं।"

विश्व आदिवासी दिवस पर शराब की दुकानें बंद करने व दारू को लेकर संचालित होटल बंद रखे

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त को हर्ष उल्लास के साथ मनाने आदिवासी युवा शक्ति संगठन की बैठक आयोजित हूई जिसमें आदिवासी दिवस पर शराब की दुकाने व होटलो में बैठाकर शराब परोसन के बंद करने की आवाज उठी। संगठन के संरक्षक डूंगरलाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हूई जिसमें 9 अगस्त आदिवासी दिवस पर दारू की दुकान बंद एवं होटल संचालक दारू नहीं परोसने की आवाज उठी। बैठक अध्यक्ष कचरा मालीवाड़ ने बताया कि 9 अगस्त आदिवासियों के लिए एक त्यौहार है त्यौहार के रूप में मनाया जाए और उसी दिन रक्षाबंधन भी है सभी जनप्रतिनिधियों से भी निवेदन करते हैं की 9 अगस्त के दिन आदिवासी दिवस रक्षाबंधन होने के कारण दारू की दुकान होटल संचालक को दारू बंद करने के लिए सरकार को अवगत करे। क्योंकि राष्ट्रीय आदिवासी दिवस मनाने के लिए युवा बेणेश्वर मानगढ़ गुरु गोविंद बसिया धाम पर अधिकांश युवा आदिवासी दिवस मनाने जाएंगे रक्षाबंधन होने के कारण कई लोग शराब पीकर पावर बाइक चलाकर कहीं सीधे-साधे लोगों के साथ एक्सीडेंट होने की संभावना होती है आदिवासी से युवा से भी आग्रह किया गया आप लोग कहीं भी आदिवासी दिवस जिले में मनाने जाओं तो शांति बनाए रखें कोई भी हथियार लेकर नहीं जाए किसी प्रकार की गली गलत नहीं करें सर्व समाज के लोगों से मान सम्मान करें रोड़ों पर किसी प्रकार की गलत आवाज नहीं करें माता बहनों पिता तुल्य सभी का सम्मान करें गलत बोलने से आदिवासी समाज की बदलामी होती है और हमने गांव गांव राजस्व गांव में बैठ के लेकर सभी युवाओं तक बात पहुंचा दिए पहले भी हमने सरकार से जनप्रतिनिधियों से मांग की थी की 9 अगस्त आदिवासी दिवस पर दारू की दुकान एक दिन के लिए बंद करवाने की मांग रखी है। बैठक में लखमा भाई नारायण भाई पूंजीलाल मगनलाल लालू भाई हरजी बामनिया सहित आदिवासी महिलाओं पुरुष उपस्थित रहे।

सीनाजोरी : सीपीएस, सेंट्रल एकेडमी और रॉकवुड स्कूल कोर्ट आदेश की मनमानी व्याख्या कर आरटीई में प्रवेश से कर रहे इनकार, शिक्षा विभाग बोला-सख्त कार्रवाई करेंगे

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर जिले में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। शहर के प्रमुख निजी स्कूल सीपीएस स्कूल, सेंट्रल एकेडमी स्कूल और रॉकवुड स्कूल द्वारा आरटीई के तहत पात्र बच्चों को न तो प्रवेश दिया जा रहा है और न ही विभागीय आदेशों का पालन किया जा रहा है। ये स्कूल राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा पारित एक स्थगन आदेश का हवाला देते हुए गुमराह कर रहे हैं। जबकि शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश स्पष्ट और प्रभावी हैं।

न्यायालय के आदेश की आड़ में मनमानीः गलत व्याख्या से हो रही अभिभावकों से ठगी

शहर के सीपीएस स्कूल, सेंट्रल एकेडमी स्कूल और रॉकवुड स्कूल ने अभिभावकों को स्पष्ट रूप से यह कहकर आरटीई के अंतर्गत प्रवेश देने से इनकार कर दिया कि न्यायालय ने 2 मई 2025 को पारित स्थगन आदेश के तहत फिलहाल प्रवेश रोक दिए गए हैं। जबकि सच्चाई यह है कि राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर द्वारा पारित सिविल जनहित याचिका में पूर्व में पारित आदेश दिनांक 23.10.2021 एवं 23.05.2022 के तहत यह स्पष्ट किया गया है कि शैक्षिक सत्र 2022-23 से आरटीई के तहत पूर्व-प्राथमिक पीपी3+ (आयु 3-4 वर्ष) और कक्षा-1 में निःशुल्क प्रवेश अनिवार्य रहेगा। हालाँकि 18 जुलाई 2023 को न्यायालय ने याचिका संख्या 8567/2023 (नीरजा मोदी बनाम राज्य सरकार) में पीपी 4+ एवं पीपी 5+ कक्षाओं को पुनर्भरण से बाहर रखने का निर्णय सुनाया था, जिसे बाद में अपील संख्या 792/2023 के अंतर्गत 2 मई 2025 को आंशिक रूप से स्थगित कर दिया गया। यह स्थगन केवल पैरा संख्या 44 से संबंधित है, जिसमें पीपी 3+ और कक्षा-1 को एंट्री लेवल मानते हुए पुनर्भरण की बात की गई थी। स्पष्ट गाइडलाइनः पीपी 3+ और कक्षा-1 में ही प्रवेश, अन्य कक्षाएं बाहर

प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर द्वारा 17 जुलाई 2025 को आदेश संख्या शिविरा/प्रांर/आरटीई/सी/18878/आरटीई दिशा-निर्देश/2025-26 के तहत जारी की गई गाइडलाइन में स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान शैक्षिक सत्र 2025-26 में केवल पीपी3+ एवं कक्षा-1 में आरटीई के तहत निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा और पीपी 4+ एवं पीपी 5+ जैसी पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं में प्रवेश के लिए कोई भी पुनर्भरण अथवा आरटीई का लाभ अनुमन्य नहीं होगा।

डीईओ उदयपुर का निर्देशः शिकायत मिली तो रद्द होगी मान्यता

जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) उदयपुर ने विभागीय पत्र संख्या 4770 के तहत शहर के सभी निजी विद्यालयों को आदेशित किया है कि वे आरटीई पोर्टल पर चयनित विद्यार्थियों को पीपी3+ और कक्षा-1 में बिना फीस लिए तत्काल प्रवेश दें। यदि किसी विद्यालय द्वारा प्रवेश से इनकार किया गया या फीस की मांग की गई, तो राजस्थान गैर सरकारी शैक्षिक संस्था अधिनियम 1989 एवं नियम 1993 (संशोधित 2011) के तहत कार्यवाही की जाएगी, जिसके तहत विद्यालय की मान्यता रद्द करने की कार्यवाही भी की जा सकती है। डीईओ कार्यालय में पिछले एक सप्ताह में कई अभिभावकों ने शिकायत दर्ज करवाई है कि उनके बच्चों को आरटीई पोर्टल से चयनित होने के बावजूद सीपीएस स्कूल, सेंट्रल एकेडमी स्कूल और रॉकवुड स्कूल में प्रवेश नहीं मिल रहा है और उन्हें सामान्य फीस जमा करने को कहा जा रहा है। यह आरटीई अधिनियम 2009 की खुली अवहेलना है।

राज्य सरकार के अधिकारी की स्पष्ट चेतावनी

निदेशक प्रारंभिक शिक्षा, बीकानेर, श्री सीताराम जाट आईएएस ने स्पष्ट किया है कि "सत्र 2025-26 हेतु विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश पूर्णतया प्रभावी हैं। यदि कोई विद्यालय न्यायालय के आदेश की गलत व्याख्या कर बच्चों से फीस मांग रहा है या उन्हें प्रवेश से वंचित कर रहा है तो यह गंभीर प्रशासनिक उल्लंघन है और उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।"

अभिभावकों से अपीलः करें शिकायत, मिलेगी सहायता

जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि यदि किसी निजी विद्यालय द्वारा आरटीई के तहत चयनित बच्चे को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है या किसी प्रकार की राशि मांगी जा रही है, तो वे ब्लॉक शिक्षा अधिकारी या डीईओ कार्यालय में शिकायत दर्ज करवाएं। सभी शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही की जाएगी। यदि इन तीनों स्कूलों ने तुरंत प्रवेश नहीं दिए व इनकार किया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एनसीईआरटी की कक्षा 8 की इतिहास पुस्तक में दर्शाए मानचित्र पर विधायक श्री विश्वराज सिंह मेवाड़ ने जताई आपत्ति

24 न्यूज अपडेट

नाथद्वारा 5 अगस्त। नाथद्वारा विधायक श्री विश्वराज सिंह मेवाड़ ने एनसीईआरटी द्वारा कक्षा 8 की इतिहास पुस्तक (भाग - 1, इकाई 3, पृष्ठ संख्या 71) में दर्शाए गए एक मानचित्र पर गहरी आपत्ति जताई है, जिसमें मेवाड़ को मराठा साम्राज्य के अधीन दर्शाया गया है।

इस विषय पर श्री मेवाड़ ने कहा कि "ऐसा प्रतीत होता है कि एनसीईआरटी में इतिहास लेखन का उद्देश्य छात्रों को सटीक जानकारी देने के बजाय, भारत के स्वाभिमानी क्षेत्रों के गौरवशाली इतिहास को विकृत करना बन गया है। पहले मेवाड़ को अंग्रेजों के अधीन बताया गया, और अब उसी पृष्ठ पर मराठा साम्राज्य के अंतर्गत दिखाया गया है। आखिर इन 'शिक्षाविदों' को कौन शिक्षित करेगा?" "क्या वे यह नहीं जानते कि मेवाड़ ने सदियों तक स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी, न केवल मुगलों के विरुद्ध, बल्कि किसी भी बाहरी हस्तक्षेप के विरुद्ध अपना स्वत्व और स्वाभिमान बनाए रखा? बप्पा रावल और उनके वंशजों का बलिदान कोई कल्पना नहीं, बल्कि ऐतिहासिक सत्य है।"

श्री विश्वराज सिंह मेवाड़ ने इस मुद्दे पर शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी से तुरंत सुधार की मांग की है तथा आग्रह किया है कि इतिहास जैसे संवेदनशील विषय को राजनीतिक या क्षेत्रीय पूर्वग्रह से नहीं, बल्कि तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि "इतिहास सिर्फ़ एक विषय नहीं है, यह हमारी आत्मा का आईना है। यदि इसे बार-बार विकृत किया गया, तो हमारी आने वाली पीढ़ियाँ भ्रमित रहेंगी और अपना वास्तविक सांस्कृतिक उत्तराधिकार कभी नहीं जान पाएंगी।"

आज के समय में घर घर में ऐसे कंस बेठे जो मां के पेट में ही बच्चियों को मरवा देते है : पुष्कर दास महाराज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 5 अगस्त। झीलों की नगरी के बेदला रोड, शुभ सुंदर टावर,साइफन चौराहा,पेट्रोल पंप के पास में पुष्कर दास महाराज के द्वारा चल रही संगीतमय भागवत कथा के चौथे दिन कहा मोह की पकड़ को छोडने के लिए पूजा, पाठ किया जाता है । कथा मोह की पकड़ को दूर करती है। कथाओं का श्रवण नित्य करना चाहिए। मन की बीमारी के लिए परमात्मा के नाम का सेवन करना चाहिए । सत्संग किए बिना विवेक की प्राप्ति नहीं हो सकती। श्रावण मास में शिव की पूजा करे पर अहंकार नहीं होना चाहिए । अहंकार सत्संग में बैठने से मिटेगा। भगवान से जुडना ही परम भागवत, जहां सत्य हे वही पर ईश्वर है । इसलिए सत्संग कहा गया है । भजन का अर्थ हे जो विभक्त नहीं है। भक्तों ने माना ईश्वर हमारे साथ हे वही भागवत बने। सत्संग का प्याला कान के दोने से पिया जाता हे द्य जिसने पिया सभी अमर हुए । विष पियेगा वो मरेगा। आगे कहा हम मंदिर, दर्शन, सतसंग करे परंतु हमारी वजह से किसी को कष्ट ना हो वो सही सत्कर्म कहा जाता है। महाराज ने कहा भागवत की कथा में भगवान विष्णु ने 4 अवतार लिए उसमें से मत्स्य अवतार, कच्छभ अवतार,वराह अवतार और मोहिनी अवतार। इन चार अवतार में से एक अवतार मत्स्य नारायण का आया है । कथा को आगे बढ़ाते हुए भागवत के 24 गुरु की व्याख्या की। महाराज ने बताया ऋषभ देव भगवान भी भागवत से ही निकले । राजा भरत ने एक हिरण के बच्चे के मोह में फसने के कारण अगला जन्म हिरण का पाया। आगे दशम स्कंध की कथा का वर्णन करते हुए कहा वासुदेव जी जैसे ही भगवान कृष्ण को सिर पर धारण किया उनकी बुद्धि पवित्र हुई सभी बेडिया और ताले खुल गए पहरेदार सो गए। कंस तो फिर भी ठीक था जो देवकी के पुत्रो को जन्म लेने के बाद हत्या करता था लेकिन आज के समय में घर घर में ऐसे कंस बैठे जो मां के पेट में ही बच्चियो को मरवा देते है। शास्त्रों में लिखा है ऐसे घर का पानी पीना भी पाप के समान है। कथा में कृष्ण जन्म धूमधाम से मनाया गया और सभी श्रोता भजनों पर झूम उठे और जयकारे लगाए । व्यासपीठ से सभी भक्तों को महाराज ने बधाई स्वरूप प्रसाद दिया । वि_ल वैष्णव ने बताया बुधवार को कथा में भगवान कृष्ण की बाल लीला एवं गिरिराज पूजन के प्रसंग का वर्णन किया जाएगा।

मां बनने की चाहत में उठा लिया बड़ा कदमः 10 साल से निःसंतान महिला ने बहन के साथ मिलकर अस्पताल से नवजात को चुराया

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। नाथद्वारा के श्री गोवर्धन राजकीय जिला अस्पताल से तीन दिन के नवजात शिशु को चोरी करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले का 24 घंटे में खुलासा करते हुए दो सगी बहनों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। इनमें से एक महिला की शादी को 10 साल हो चुके थे और वह मां नहीं बन पा रही थी। उसी मातृत्व की ललक में उसने नवजात शिशु चोरी की साजिश रची। यह घटना 4 अगस्त की है, जब नाथद्वारा के सुखाड़िया नगर निवासी चेतन भील की पत्नी बिंदिया जिला अस्पताल में भर्ती थीं। 1 अगस्त को उन्होंने एक पुत्र को जन्म दिया था। 4 अगस्त को एक युवती नर्स का कोट पहने अस्पताल पहुंची और परिजनों से कहा कि बच्चे को ऊपर वार्ड में ले जाना है। पीड़ित चेतन ने अपनी बहन चंदा को उसके साथ भेजा। रास्ते में आरोपी महिला ने आधार कार्ड मांगा और चंदा को लाने के लिए भेज दिया। इसी दौरान वह नवजात को लेकर गायब हो गई।

सीसीटीवी फुटेज से पहचान, 15 किलोमीटर

दूर से बरामद हुआ बच्चा घटना के तुरंत बाद चेतन ने श्रीनाथजी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देश पर टीम गठित की गई। अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज और इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर पुलिस ने बच्चा चुराने वाली महिला की पहचान की और राजसमंद से 15 किलोमीटर दूर बिजनोल इलाके से बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। चेतना और भारती नाम की बहनों को किया गिरफ्तार गिरफ्तार की गई महिलाओं की पहचान चेतना (28), निवासी गढ़वाड़ा भांसौल, थाना घासा (उदयपुर) और उसकी बहन भारती (27), निवासी डिंगेला, थाना नाथद्वारा (राजसमंद) के रूप में हुई है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि चेतना 10 वर्षों से निःसंतान है और दो बार IVF भी करवा चुकी है, लेकिन दोनों बार गर्भधारण असफल रहा। आखिरी बार उसका आठवें महीने में गर्भपात हो गया, जिसकी जानकारी सिर्फ परिवार के नजदीकी सदस्यों को थी। भूखा न रहे बच्चा, इसलिए बहन को भी शामिल किया चेतना ने पुलिस को बताया कि वह इस बच्चे को मारना या बेचने की नीयत से नहीं लाई थी, बल्कि वह उसे पालना चाहती थी। उसने कहा, "मैंने सोचा कि नर्स की ड्रेस पहनकर बच्चा चुरा लूंगी। लेकिन बच्चा भूखा न रहे, इसलिए अपनी बहन को साथ लाया।" बहन भारती ने भी स्वीकार किया कि उसे दूध पिलाने के लिए साथ लाया गया था और इस बात की जानकारी परिवार में बहुत सीमित लोगों को थी।

2-3 दिन की रेकी के बाद रची साजिश

पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों बहनें 2-3 दिन से अस्पताल में रेकी कर रही थीं और शिशु चुराने की पूरी योजना बनाकर आई थीं। बच्चा चुराने के बाद वे उसे अपने रिश्तेदार के घर बिजनोल ले गईं, जहां से पुलिस ने उसे सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस का सराहनीय कार्यः 24 घंटे में बच्चे को खोजा और आरोपियों को पकड़ा इस पूरे मामले में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कम समय में ही आरोपी बहनों को गिरफ्तार कर लिया और नवजात को सकुशल उसके माता-पिता को सौंप दिया। राजसमंद एसपी ममता गुप्ता के नेतृत्व में की गई इस त्वरित कार्रवाई की व्यापक सराहना हो रही है।

ऋण मुक्तेश्वर महादेव को धराया 56 धराया, भजन संध्या में झूमे श्रद्धालु - ऋण मुक्तेश्वर महादेव मन्दिर - महादेव जी का सावन महोत्सव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्रावण मास में महादेव भक्त मण्डल की ओर से ऋण मुक्तेश्वर महादेव मंदिर 2 बटा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी गोवर्धन विलास में मनाये जा रहे "महादेव जी का सावन महोत्सव" के अंतर्गत चौथे सोमवार को पूजा गोयर व भारती मेघवाल के नेतृत्व में महिलाओ ने ऋण मुक्तेश्वर महादेव को 56 भोग धराया। प्रिया कछावा शिवानी कछावा ने महादेव का आकर्षक श्रृंगार किया। महादेव भक्त मण्डल के हितेन सिंह ने बताया कि माँ अम्बे माता प्रांगण में "एक शाम महादेव जी के नाम" भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मदन सिंह राठौड़, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो.मदन सिंह राठौड़ थे। विशिष्ट अतिथि द जील मार्शल आर्ट एंड फिटनेस पॉइंट के निदेशक रेन्शी हरीश कुमार सावरिया, अमृत मेनारिया, सज्जन सिंह, प्रेमशंकर मेघवाल थे। जिनेश शर्मा ने बताया कि भजन संध्या में गायक कलाकार विशाल पंडित, ललित साठपुर व दीपक व्यास ने साँसों की माला में मै सिमरू तेरा नाम, डमरू वाले बाबा तुमको आना पड़ेगा,दुल्हा बने भोलेनाथ जोड़ी का जवाब नही, घाटा रानी देबारी बिराजे वेगा आओ नी, आर जे सताईस वाली,मेरा भोला है भंडारी, भोले बाबा ने बजाया ऐसा डमरू भजनों की प्रस्तुति देकर समा बांध दिया। भजनों के बीच महिलाओ, युवक युवतियों की टोलिया समूह में नाच उठी। अंत में महिलाओ ने सामूहिक गरबा रास किया व युवाओ की टोली ने गवरी का मंचन किया।

भारत विकास परिषद भामाशाह चलाएगा "हर घर तिरंगा" अभियान, स्कूलों व पार्कों में होंगे आयोजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 5 अगस्त। भारत विकास परिषद भामाशाह, उदयपुर द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला "घर-घर तिरंगा, हर घर तिरंगा" अभियान इस वर्ष भी उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। यह जानकारी परिषद के पूर्व नेशनल वाइस चेयरमैन डॉ. एम.जी. वार्ष्णेय ने धार स्थित एक निजी रिसोर्ट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दी। डॉ. वार्ष्णेय ने बताया कि यह अभियान परिषद द्वारा वर्ष 2016 से लगातार चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत परिषद की टीमें विभिन्न स्कूलों में जाकर बच्चों को निःशुल्क तिरंगे वितरित करेंगी तथा आम नागरिकों को अपने घरों पर 15 अगस्त को तिरंगा फहराने हेतु प्रेरित करेंगी। उन्हें राष्ट्रभक्ति की शपथ भी दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि भारत विकास परिषद द्वारा प्रारंभ किया गया यह अभियान बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया गया और देशवासियों से "हर घर तिरंगा" अभियान में भागीदारी की अपील की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भामाशाह अध्यक्ष नरेंद्र कोठारी ने की तथा मुख्य अतिथि डॉ. वार्ष्णेय रहे। विशिष्ट अतिथियों में ई.वाई. के. बोलिया एवं के.के. शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम में हरियालो राजस्थान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया, साथ ही सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुईं। सावन क्वीन के रूप में मीरा शर्मा, हरप्रीत मक्कड़, प्रमिला जयसवाल, अंजना वर्मा, अनिता सेठ और आशा सिंह को चुना गया। सावन नृत्य प्रतियोगिता में डॉ. ऊषा कोठारी, भगवती मेनारिया, मधु बाला चैनानी, प्रियंका प्रजापत, अनुपम ज्योति शर्मा, ललिता शर्मा और राजेश्वरी स्वर्णकार विजेता रहे। सावन गीत प्रतियोगिता में पूर्णिमा वार्ष्णेय, मीना बोल्या, मंगला पागे, सुशीला मेनारिया, निर्मला त्रिपाठी और कल्पना जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के संचालन में राजेश पागे, दिनेश मेनारिया, हरीश शर्मा, वाई के त्रिपाठी, जितेंद्र सेठ, सतीश जैन, डॉ. निर्मल, मुकेश वर्मा और एन एल तातेड़ का विशेष सहयोग रहा। हरा भरा ग्रुप के सचिव लोकेश चंद्र पारख ने पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी ली।

पुलिस कस्टडी में सर्राफा व्यवसायी की मौत पर कांग्रेस ने की न्यायिक जांच की मांग, ऋषभदेव थाना निलंबित करने की उठी मांग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। खेरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ऋषभदेव थाना पुलिस की हिरासत में एक सर्राफा व्यवसायी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी ने इस घटना पर निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग करते हुए पूरे थाना स्टाफ को निलंबित करने की अपील की है। कांग्रेस नेताओं ने पुलिस की भूमिका पर संदेह जताते हुए इसे लोकतंत्र और मानवाधिकारों के विरुद्ध करार दिया। इस घटना को लेकर खेरवाड़ा विधायक डॉ. दया राम परमार, देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष कचरू लाल चौधरी, और ऋषभदेव ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रूप लाल मीणा ने एक संयुक्त बयान जारी किया। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग करते हुए कहा कि जब तक जांच पूरी नहीं होती, तब तक ऋषभदेव थाने के पूरे स्टाफ को निलंबित किया जाए। पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल कांग्रेस नेताओं ने मृतक व्यवसायी सुरेशमल के पुत्र के हवाले से कहा कि सुरेशमल को पहले गोवर्धन थाना पुलिस पूछताछ के लिए लेकर गई थी, लेकिन बाद में बिना परिजनों को सूचना दिए ऋषभदेव थाना पुलिस ने उन्हें अपनी हिरासत में ले लिया। इस प्रक्रिया की जानकारी न परिवार को दी गई, न ही कोई विधिवत दस्तावेज प्रस्तुत किया गया। इसके चलते ऋषभदेव पुलिस की कार्रवाई संदेह के घेरे में आ गई है। वक्तव्य में कहा गया कि जब तक इस मामले में पूरी पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित नहीं किया जाता, तब तक जनता का पुलिस पर विश्वास डगमगाता रहेगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ऐसी घटनाएं समाज में भय और अविश्वास का वातावरण पैदा करती हैं और इसकी जिम्मेदारी राज्य की प्रशासनिक मशीनरी की होती है। कांग्रेस प्रतिनिधियों ने निम्नलिखित मांगें उठाई हैंः घटना की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो। ऋषभदेव थाना स्टाफ को तत्काल निलंबित किया जाए। मृतक के परिवार को उचित मुआवजा और न्याय मिले। जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ. संजीव राजपुरोहित ने यह जानकारी दी।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।